Rom

Chapter 11

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

Λέγω	οὖν,	μὴ	ἀπώσατο	ὁ	Θεὸς	τὸν	λαὸν	αὐτοῦ?	μὴ	γένοιτο!
कहता-हूं	अतः	क्या	त्याग-दिया	वह	परमेश्वर-ने	उस	लोगों-को	अपने	कदापि	नहीं
G3004	G3767	G3361	G0683	G3588	G2316	G3588	G2992	G0846	G3361	G1096

καὶ	γὰρ	ἐγὼ	Ἰσραηλίτης	εἰμί,	ἐκ	σπέρματος	Ἀβραάμ,	φυλῆς	Βενιαμίν.
क्योंकि	क्योंकि	मैं	इस्राएली	हूं	से	वंश	अब्राहाम-के	गोत्र	बिन्यामीन-के
G2532	G1063	G1473	G2475	G1510	G1537	G4690	G0011	G5443	G0958

> तो मैं पूछता हूँ, “क्या परमेश्वर ने अपने ही लोगों को नकार नहीं दिया?” निश्चय ही नहीं। क्योंकि मैं भी एक इस्राएली हूँ, इब्राहीम के वंश से और बिन्यामीन के गोत्र से हूँ।

2

οὐκ	ἀπώσατο	ὁ	Θεὸς,	τὸν	λαὸν	αὐτοῦ,	ὃν	προέγνω.	ἢ	οὐκ
नहीं	त्याग-दिया	वह	परमेश्वर-ने	उस	लोगों-को	अपने	जिसे	पहले-से-जाना	या	नहीं
G3756	G0683	G3588	G2316	G3588	G2992	G0846	G3739	G4267	G2228	G3756

οἴδατε	ἐν	Ἠλίᾳ	τί	λέγει	ἡ	γραφή?	ὡς	ἐντυγχάνει	τῷ	Θεῷ
जानते-हो	में	एलिय्याह	क्या	कहता-है	वह	शास्त्र	कैसे	निवेदन-करता-है	को	परमेश्वर
G1492	G1722	G2243	G5101	G3004	G3588	G1124	G5613	G1793	G3588	G2316

κατὰ	τοῦ	Ἰσραήλ,
के-विरुद्ध	के	इस्राएल
G2596	G3588	G2474

> परमेश्वर ने अपने लोगों को नहीं नकारा जिन्हें उसने पहले से ही चुना था। अथवा क्या तुम नहीं जानते कि एलिय्याह के बारे में शास्त्र क्या कहता है: कि जब एलिय्याह परमेश्वर से इस्राएल के लोगों के विरोध में प्रार्थना कर रहा था?

3

Κύριε,	τοὺς	προφήτας	σου	ἀπέκτειναν;	τὰ	θυσιαστήριά	σου	κατέσκαψαν;
प्रभु	उन	भविष्यवक्ताओं-को	तेरे	मारा	वे	वेदियों-को	तेरे	ढाहा
G2962	G3588	G4396	G4771	G0615	G3588	G2379	G4771	G2679

κἀγὼ	ὑπελείφθην	μόνος,	καὶ	ζητοῦσιν	τὴν	ψυχήν	μου.
और-मैं	छोड़ा-गया-हूं	अकेला	और	खोजते-हैं	उस	प्राण	मेरी
G2504	G5275	G3441	G2532	G2212	G3588	G5590	G1473

> “हे प्रभु, उन्होंने तेरे नबियों को मार डाला। तेरी वेदियों को तोड़ कर गिरा दिया। केवल एक नबी मैं ही बचा हूँ और वे मुझे भी मार डालने का जतन कर रहे हैं।”

4

ἀλλὰ	τί	λέγει	αὐτῷ	ὁ	χρηματισμός?	Κατέλιπον	ἐμαυτῷ	ἑπτακισχιλίους
परन्तु	क्या	कहता-है	उससे	वह	दैवी-उत्तर	रखा-है	अपने-लिए	सात-हजार
G0235	G5101	G3004	G0846	G3588	G5538	G2641	G1683	G2035

ἄνδρας,	οἵτινες	οὐκ	ἔκαμψαν	γόνυ	τῇ	Βάαλ.
पुरुष	जिन्होंने	नहीं	झुकाया	घुटना	को	बाल
G0435	G3748	G3756	G2578	G1119	G3588	G0896

> किन्तु तब परमेश्वर ने उसे कैसे उत्तर दिया था, “मैंने अपने लिए सात हजार लोग बचा रखे हैं जिन्होंने बाल के आगे माथा नहीं टेका।”

5

οὕτως	οὖν	καὶ,	ἐν	τῷ	νῦν	καιρῷ,	λεῖμμα	κατ’	ἐκλογὴν	χάριτος
ऐसे	अतः	भी	में	उस	अभी	समय	बचा-हुआ	के-अनुसार	चुनाव	अनुग्रह-के
G3779	G3767	G2532	G1722	G3588	G3568	G2540	G3005	G2596	G1589	G5485

γέγονεν.
हुआ-है
G1096

> सो वैसे ही आज कल भी कुछ ऐसे लोग बचे हैं जो उसके अनुग्रह के कारण चुने हुए हैं।

6

εἰ	δὲ	χάριτι,	οὐκέτι	ἐξ	ἔργων;	ἐπεὶ	ἡ	χάρις	οὐκέτι	γίνεται	χάρις;
यदि	परन्तु	अनुग्रह-से	अब-नहीं	से	कर्मों	नहीं-तो	वह	अनुग्रह	अब-नहीं	होता-है	अनुग्रह
G1487	G1161	G5485	G3765	G1537	G2041	G1893	G3588	G5485	G3765	G1096	G5485

<Εἰ	δὲ	ἐξ	ἔργων,	οὐκέτι	ἐστὶν	χάρις;	ἐπεὶ	τὸ	ἔργον	οὐκέτι	ἐστὶν
यदि	परन्तु	से	कर्मों	अब-नहीं	है	अनुग्रह	नहीं-तो	वह	कर्म	अब-नहीं	है
G1487	G1161	G1537	G2041	G3765	G1510	G5485	G1893	G3588	G2041	G3765	G1510

ἔργον>.
कर्म
G2041

> और यदि यह परमेश्वर के अनुग्रह का परिणाम है तो लोग जो कर्म करते हैं, यह उन कर्मों का परिणाम नहीं है। नहीं तो परमेश्वर की अनुग्रह, अनुग्रह ही नहीं ठहरती।

7

Τί	οὖν?	ὃ	ἐπιζητεῖ	Ἰσραήλ,	τοῦτο	οὐκ	ἐπέτυχεν;	ἡ	δὲ	ἐκλογὴ
क्या	अतः	जो	खोजता-है	इस्राएल	वह	नहीं	पाया	वह	परन्तु	चुनाव-ने
G5101	G3767	G3739	G1934	G2474	G3778	G3756	G2013	G3588	G1161	G1589

ἐπέτυχεν;	οἱ	δὲ	λοιποὶ	ἐπωρώθησαν,
पाया	जो	परन्तु	शेष	कठोर-किए-गए
G2013	G3588	G1161	G3062	G4456

> तो इससे क्या? इस्राएल के लोग जिसे खोज रहे थे, वे उसे नहीं पा सके। किन्तु चुने हुओं को वह मिल गया। जबकि बाकी सब को कठोर बना दिया गया।

8

καθὼς	γέγραπται,	Ἔδωκεν	αὐτοῖς	ὁ	Θεὸς	πνεῦμα	κατανύξεως,	ὀφθαλμοὺς
जैसा	लिखा-है	दिया	उन्हें	वह	परमेश्वर-ने	आत्मा	सुन्नता-की	आंखें
G2531	G1125	G1325	G0846	G3588	G2316	G4151	G2659	G3788

τοῦ	μὴ	βλέπειν,	καὶ	ὦτα	τοῦ	μὴ	ἀκούειν,	ἕως	τῆς	σήμερον	ἡμέρας.
के-लिए	नहीं	देखने-को	और	कान	के-लिए	नहीं	सुनने-को	तक	के	आज	दिन
G3588	G3361	G0991	G2532	G3775	G3588	G3361	G0191	G2193	G3588	G4594	G2250

> शास्त्र कहता है: "परमेश्वर ने उन्हें एक चेतना शून्य आत्मा प्रदान की।" "ऐसी आँखें दीं जो देख नहीं सकती थीं और ऐसे कान दिए जो सुन नहीं सकते थे। और यही दशा ठीक आज तक बनी हुई है।"

9

καὶ	Δαυὶδ	λέγει,	Γενηθήτω	ἡ	τράπεζα	αὐτῶν,	εἰς	παγίδα,	καὶ	εἰς
और	दाऊद	कहता-है	हो-जाए	उनकी	मेज	उनकी	में	फंदा	और	में
G2532	G1138	G3004	G1096	G3588	G5132	G0846	G1519	G3803	G2532	G1519

θήραν,	καὶ	εἰς	σκάνδαλον,	καὶ	εἰς	ἀνταπόδομα	αὐτοῖς;
जाल	और	में	ठोकर	और	में	बदला	उन्हें
G2339	G2532	G1519	G4625	G2532	G1519	G0468	G0846

> दाऊद कहता है: "अपने ही भोजनों में फँसकर वे बंदी बन जाएँ उनका पतन हो और उन्हें दण्ड मिले।

10

σκοτισθήτωσαν	οἱ	ὀφθαλμοὶ	αὐτῶν,	τοῦ	μὴ	βλέπειν,	καὶ	τὸν	νῶτον
अंधेरी-हो-जाएं	उनकी	आंखें	उनकी	के-लिए	नहीं	देखने-को	और	उनकी	पीठ
G4654	G3588	G3788	G0846	G3588	G3361	G0991	G2532	G3588	G3577

αὐτῶν,	διὰ	παντὸς	σύνκαμψον.
उनकी	से	हमेशा	झुका-दे
G0846	G1223	G3956	G4781

> उनकी आँखें धुँधली हो जायें ताकि वे देख न सकें और तू उनकी पीड़ाओं तले, उनकी कमर सदा-सदा झुकाए रखें।"

11 Λέγω οὖν, μὴ ἔπταισαν ἵνα πέσωσιν? μὴ γένοιτο! ἀλλὰ τῷ αὐτῶν
कहता-हूं अतः क्या ठोकर-खाई ताकि गिरें कदापि नहीं परन्तु को उनके
G3004 G3767 G3361 G4417 G2443 G4098 G3361 G1096 G0235 G3588 G0846

παραπτώματι, ἡ σωτηρία τοῖς ἔθνεσιν, εἰς τὸ παραζηλῶσαι αὐτούς.
अपराध वह उद्धार के-लिए अन्यजातियों के-लिए कि ईर्ष्यालु-करे उन्हें
G3900 G3588 G4991 G3588 G1484 G1519 G3588 G3863 G0846

> सो मैं कहता हूँ क्या उन्होंने इसलिए ठोकर खाई कि वे गिर कर नष्ट हो जायें? निश्चय ही नहीं। बल्कि उनके गलती करने से ग़ैर यहूदी लोगों को छुटकारा मिला ताकि यहूदियों में स्पर्धा पैदा हो।

12 εἰ δὲ, τὸ παράπτωμα αὐτῶν, πλοῦτος κόσμου, καὶ τὸ ἥττημα αὐτῶν,
यदि परन्तु वह अपराध उनका धन संसार-का और वह हार उनकी
G1487 G1161 G3588 G3900 G0846 G4149 G2889 G2532 G3588 G2275 G0846

πλοῦτος ἐθνῶν, πόσῳ μᾶλλον τὸ πλήρωμα αὐτῶν?
धन अन्यजातियों-का कितना अधिक वह पूर्णता उनकी
G4149 G1484 G4214 G3123 G3588 G4138 G0846

> इस प्रकार यदि उनके गलती करने का अर्थ सारे संसार का बड़ा लाभ है और यदि उनके भटकने से ग़ैर यहूदियों का लाभ है तो उनकी सम्पूर्णता से तो बहुत कुछ होगा।

13 Ὑμῖν δὲ λέγω, τοῖς ἔθνεσιν, ἐφ’ ὅσον μὲν οὖν εἰμι ἐγὼ ἐθνῶν
तुमसे परन्तु कहता-हूं के-लिए अन्यजातियों जितना जितना एक-ओर अतः हूं मैं अन्यजातियों-का
G4771 G1161 G3004 G3588 G1484 G1909 G3745 G3303 G3767 G1510 G1473 G1484

ἀπόστολος, τὴν διακονίαν μου δοξάζω,
प्रेरित उस सेवा मेरी महिमा-देता-हूं
G0652 G3588 G1248 G1473 G1392

> यह अब मैं तुमसे कह रहा हूँ, जो यहूदी नहीं हो, क्योंकि मैं विशेष रूप से ग़ैर यहूदियों के लिये प्रेरित हूँ, मैं अपने काम के प्रति पूरा प्रयत्नशील हूँ।

14 εἴ πως παραζηλώσω μου τὴν σάρκα, καὶ σώσω τινὰς ἐξ αὐτῶν.
यदि किसी-तरह ईर्ष्यालु-करूं मेरे उस शरीर-को और बचाऊं कुछों-को से उनमें-से
G1487 G4459 G3863 G1473 G3588 G4561 G2532 G4982 G5100 G1537 G0846

> इस आशा से कि मैं अपने लोगों में भी स्पर्धा जगा सकूँ और उनमें से कुछ का उद्धार करूँ।

15 εἰ γὰρ ἡ ἀποβολὴ αὐτῶν καταλλαγὴ κόσμου, τίς ἡ πρόσλημψις,
यदि क्योंकि वह त्यागना उनका मेल-मिलाप संसार-का क्या वह स्वीकारना
G1487 G1063 G3588 G0580 G0846 G2643 G2889 G5101 G3588 G4356

εἰ μὴ ζωὴ ἐκ νεκρῶν?
यदि नहीं जीवन से मरे-हुओं
G1487 G3361 G2222 G1537 G3498

> क्योंकि यदि परमेश्वर के द्वारा उनके नकार दिये जाने से जगत में परमेश्वर के साथ मेलपिलाप पैदा होता है तो फिर उनका अपनाया जाना क्या मरे हुओं में से जिलाया जाना नहीं होगा?

16 εἰ δὲ ἡ ἀπαρχὴ ἁγία, καὶ τὸ φύραμα; καὶ εἰ ἡ ῥίζα
यदि परन्तु वह पहला-फल पवित्र तो वह गूंधा-हुआ-आटा-भी और यदि वह जड़
G1487 G1161 G3588 G0536 G0040 G2532 G3588 G5445 G2532 G1487 G3588 G4491

ἁγία, καὶ οἱ κλάδοι.
पवित्र तो वे डालियां-भी
G0040 G2532 G3588 G2798

> यदि हमारी भेंट का एक भाग पवित्र है तो क्या वह समूचा ही पवित्र नहीं है? यदि पेड़ की जड़ पवित्र है तो उसकी शाखाएँ भी पवित्र हैं।

17 Εἰ δέ τινες τῶν κλάδων ἐξεκλάσθησαν, σὺ δὲ, ἀγριέλαιος ὢν,
यदि परन्तु कुछ उन डालियों-में-से तोड़ी-गईं तू परन्तु जंगली-जैतून होते-हुए
G1487 G1161 G5100 G3588 G2798 G1575 G4771 G1161 G0065 G1510

ἐνεκεντρίσθης ἐν αὐτοῖς, καὶ συνκοινωνὸς τῆς ῥίζης τῆς πιότητος τῆς
कलम-लगाया-गया में उनमें और सहभागी की जड़ की रस की
G1461 G1722 G0846 G2532 G4791 G3588 G4491 G3588 G4096 G3588

ἐλαίας ἐγένου,
जैतून-का हुआ
G1636 G1096

> किन्तु यदि कुछ शाखाएँ तोड़ कर फेंक दी गयीं और तू जो एक जँगली जैतून की टहनी है उस पर पेबंद चढ़ा दिया जाये और वह जैतून के अच्छे पेड़ की जड़ों की शक्ति का हिस्सा बटाने लगे,

18 μὴ κατακαυχῶ τῶν κλάδων. εἰ δὲ κατακαυχᾶσαι, οὐ σὺ τὴν ῥίζαν
न घमंड-कर उन डालियों-पर यदि परन्तु घमंड-करता-है नहीं तू उस जड़-को
G3361 G2620 G3588 G2798 G1487 G1161 G2620 G3756 G4771 G3588 G4491

βαστάζεις, ἀλλὰ ἡ ῥίζα σέ.
उठाता-है परन्तु वह जड़ तुझे
G0941 G0235 G3588 G4491 G4771

> तो तुझे उन टहनियों के आगे, जो तोड़ कर फेंक दी गयी, अभिमान नहीं करना चाहिये। और यदि तू अभिमान करता है तो याद रख यह तू नहीं हैं जो जड़ों को पाल रहा हैं, बल्कि यह तो वह जड़ ही है जो तुझे पाल रही है।

19 ἐρεῖς οὖν, Ἐξεκλάσθησαν κλάδοι, ἵνα ἐγὼ ἐγκεντρισθῶ.
कहेगा अतः तोड़ी-गईं डालियां ताकि मैं कलम-लगाया-जाऊं
G2046 G3767 G1575 G2798 G2443 G1473 G1461

> अब तू कहेगा, “हाँ, किन्तु शाखाएँ इसलिए तोड़ीगयीं कि मेरा पेबंद चढ़े।”

20 καλῶς; τῇ ἀπιστίᾳ ἐξεκλάσθησαν, σὺ δὲ τῇ πίστει ἕστηκας. μὴ
अच्छा में अविश्वास तोड़ी-गईं तू परन्तु में विश्वास खड़ा-है न
G2573 G3588 G0570 G1575 G4771 G1161 G3588 G4102 G2476 G3361

ὑψηλὰ φρόνει, ἀλλὰ φοβοῦ.
ऊंची सोच परन्तु डर
G5308 G5426 G0235 G5399

> यह सत्य है,वे अपने अविश्वास के कारण तोड़ फेंकी गयीं किन्तु तुम अपने विश्वास के बल पर अपनी जगह टिके रहे। इसलिए इसका गर्व मत कर बल्कि डरता रह।

21 εἰ γὰρ ὁ Θεὸς τῶν κατὰ φύσιν κλάδων, οὐκ ἐφείσατο, [μή
यदि क्योंकि वह परमेश्वर-ने उन के-अनुसार स्वभाव डालियों-को नहीं छोड़ा कहीं
G1487 G1063 G3588 G2316 G3588 G2596 G5449 G2798 G3756 G5339 G3361

πως] οὐδὲ σοῦ φείσεται.
ऐसा न तुझे छोड़ेगा
G4459 G3761 G4771 G5339

> यदि परमेश्वर ने प्राकृतिक डालियाँ नहीं रहने दीं तो वह तुझे भी नहीं रहने देगा।

22 ἴδε οὖν χρηστότητα καὶ ἀποτομίαν Θεοῦ: ἐπὶ μὲν τοὺς πεσόντας,
देख अतः भलाई और कठोरता परमेश्वर-की पर एक-ओर उन गिरे-हुओं
G3708 G3767 G5544 G2532 G0663 G2316 G1909 G3303 G3588 G4098

ἀποτομία; ἐπὶ δὲ σὲ, χρηστότης Θεοῦ, ἐὰν ἐπιμένῃς τῇ χρηστότητι,
कठोरता पर परन्तु तुझपर भलाई परमेश्वर-की यदि बना-रहे में भलाई
G0663 G1909 G1161 G4771 G5544 G2316 G1437 G1961 G3588 G5544

ἐπεὶ καὶ σὺ ἐκκοπήσῃ.
नहीं-तो भी तू काटा-जाएगा
G1893 G2532 G4771 G1581

> इसलिए तू परमेश्वर की कोमलता को देख और उसकी कठोरता पर ध्यान दे। यह कठोरता उनके लिए है जो गिर गये किन्तु उसकी करुणा तेरे लिए है यदि तू अपने पर उसका अनुग्रह बना रहने दे। नहीं तो पेड़ से तू भी काट फेंका जायेगा।

23 κἀκεῖνοι δέ ἐὰν μὴ ἐπιμένωσιν τῇ ἀπιστίᾳ, ἐνκεντρισθήσονται; δυνατὸς
और-वे-भी परन्तु यदि नहीं बने-रहें में अविश्वास कलम-लगाए-जाएंगे समर्थ
G2548 G1161 G1437 G3361 G1961 G3588 G0570 G1461 G1415

γάρ ἐστιν ὁ Θεὸς πάλιν ἐνκεντρίσαι αὐτούς.
क्योंकि है वह परमेश्वर फिर कलम-लगाने-में उन्हें
G1063 G1510 G3588 G2316 G3825 G1461 G0846

> और यदि वे अपने अविश्वास में न रहे तो उन्हें भी फिर पेड़ से जोड़ लिया जायेगा क्योंकि परमेश्वर समर्थ है कि उन्हें फिर से जोड़ दे।

24 εἰ γὰρ σὺ, ἐκ τῆς κατὰ φύσιν ἐξεκόπης ἀγριελαίου, καὶ, παρὰ
यदि क्योंकि तू से उस के-अनुसार स्वभाव काटा-गया जंगली-जैतून और के-विरुद्ध
G1487 G1063 G4771 G1537 G3588 G2596 G5449 G1581 G0065 G2532 G3844

φύσιν, ἐνεκεντρίσθης εἰς καλλιέλαιον, πόσῳ μᾶλλον οὗτοι, οἱ κατὰ φύσιν,
स्वभाव कलम-लगाया-गया में अच्छी-जैतून कितना अधिक ये जो के-अनुसार स्वभाव
G5449 G1461 G1519 G2565 G4214 G3123 G3778 G3588 G2596 G5449

ἐνκεντρισθήσονται τῇ ἰδίᾳ ἐλαίᾳ?
कलम-लगाए-जाएंगे में अपनी जैतून
G1461 G3588 G2398 G1636

> जब तुझे प्राकृतिक रूप से जंगली जैतून के पेड़ से एक शाखा की तरह काट कर प्रकृति के विरुद्ध एक उत्तम जैतून के पेड़ से जोड़ दिया गया, तो ये जो उस पेड़ की अपनी डालियाँ हैं, अपने ही पेड़ में आसानी से, फिर से क्यों नहीं जोड़ दी जायेंगे।

25 Οὐ γὰρ θέλω ὑμᾶς ἀγνοεῖν, ἀδελφοί, τὸ μυστήριον τοῦτο, ἵνα μὴ
नहीं क्योंकि चाहता-हूं तुम्हें अनजान भाइयो उस रहस्य इस ताकि नहीं
G3756 G1063 G2309 G4771 G0050 G0080 G3588 G3466 G3778 G2443 G3361

ἦτε ἐν ἑαυτοῖς φρόνιμοι: ὅτι πώρωσις ἀπὸ μέρους τῷ Ἰσραὴλ γέγονεν,
हो में अपने-आप बुद्धिमान कि कठोरता से भाग को इस्राएल हुई-है
G1510 G1722 G1438 G5429 G3754 G4457 G0575 G3313 G3588 G2474 G1096

ἄχρι οὗ τὸ πλήρωμα τῶν ἐθνῶν εἰσέλθῃ;
तक जब-तक वह पूर्णता की अन्यजातियों आ-जाए
G0891 G3739 G3588 G4138 G3588 G1484 G1525

> हे भाईयों! मैं तुम्हें इस छिपे हुए सत्य से अंजान नहीं रखना चाहता, कि तुम अपने आप को बुद्धिमान समझने लगो कि इस्राएल के कुछ लोग ऐसे ही कठोर बना दिए गए हैं और ऐसे ही कठोर बने रहेंगे जब तक कि काफी ग़ैर यहूदी परमेश्वर के परिवार के अंग नहीं बन जाते।

26 καὶ οὕτως πᾶς Ἰσραὴλ σωθήσεται, καθὼς γέγραπται, Ἥξει ἐκ Σιὼν ὁ
और ऐसे सारा इस्राएल बचाया-जाएगा जैसा लिखा-है आएगा से सियोन वह
G2532 G3779 G3956 G2474 G4982 G2531 G1125 G2240 G1537 G4622 G3588

Ῥυόμενος, ἀποστρέψει ἀσεβείας ἀπὸ Ἰακώβ.
छुड़ाने-वाला हटाएगा अभक्ति से याकूब
G4506 G0654 G0763 G0575 G2384

> और इस तरह समूचे इस्राएल का उद्धार होगा। जैसा कि शास्त्र कहता है: "उद्धार करने वाला सिय्योन से आयेगा; वह याकूब के परिवार से सभी बुराइयाँ दूर करेगा।

27

καὶ	αὕτη	αὐτοῖς,	ἡ	παρ’	ἐμοῦ	διαθήκη,	ὅταν	ἀφέλωμαι	τὰς	ἁμαρτίας
और	यह	उनसे	वह	से	मेरी	वाचा	जब	दूर-करूं	वे	पाप
G2532	G3778	G0846	G3588	G3844	G1473	G1242	G3752	G0851	G3588	G0266

αὐτῶν.	
उनके	
G0846	

> मेरा यह वाचा उनके साथ तब होगा जब मैं उनके पापों को हर लूँगा।"

28

κατὰ	μὲν	τὸ	εὐαγγέλιον,	ἐχθροὶ	δι’	ὑμᾶς;	κατὰ	δὲ	τὴν
के-अनुसार	एक-ओर	उस	सुसमाचार	शत्रु	के-कारण	तुम्हारे	के-अनुसार	परन्तु	उस
G2596	G3303	G3588	G2098	G2190	G1223	G4771	G2596	G1161	G3588

ἐκλογὴν,	ἀγαπητοὶ	διὰ	τοὺς	πατέρας.
चुनाव	प्रिय	के-कारण	उन	पूर्वजों
G1589	G0027	G1223	G3588	G3962

> जहाँ तक सुसमाचार का सम्बन्ध है, वे तुम्हारे हित में परमेश्वर के शत्रु हैं किन्तु जहाँ तक परमेश्वर द्वारा उनके चुने जाने का सम्बन्ध है, वे उनके पुरखों को दिये वचन के अनुसार परमेश्वर के प्यारे हैं।

29

ἀμεταμέλητα	γὰρ	τὰ	χαρίσματα	καὶ	ἡ	κλῆσις	τοῦ	Θεοῦ.
अपरिवर्तनीय	क्योंकि	वे	वरदान	और	वह	बुलावा	की	परमेश्वर
G0278	G1063	G3588	G5486	G2532	G3588	G2821	G3588	G2316

> क्योंकि परमेश्वर जिसे बुलाता है और जिसे वह देता है, उसकी तरफ़ से अपना मन कभी नहीं बदलता।

30

ὥσπερ	γὰρ	ὑμεῖς	ποτε	ἠπειθήσατε	τῷ	Θεῷ,	νῦν	δὲ	ἠλεήθητε,	τῇ
जैसे	क्योंकि	तुम-ने	पहले	अविश्वास-किया	की	परमेश्वर	अब	परन्तु	दया-पाई	की
G5618	G1063	G4771	G4218	G0544	G3588	G2316	G3568	G1161	G1653	G3588

τούτων	ἀπειθείᾳ;
इनके	अविश्वास
G3778	G0543

> क्योंकि जैसे तुम लोग पहले कभी परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानते थे किन्तु अब तुम्हें उसकी अवज्ञाके कारण परमेश्वर की दया प्राप्त है।

31

οὕτως	καὶ	οὗτοι	νῦν	ἠπείθησαν,	τῷ	ὑμετέρῳ	ἐλέει,	ἵνα	καὶ	αὐτοὶ	νῦν,
ऐसे	भी	ये	अब	अविश्वास-किया	की	तुम्हारी	दया	ताकि	भी	वे-स्वयं	अब
G3779	G2532	G3778	G3568	G0544	G3588	G5212	G1656	G2443	G2532	G0846	G3568

ἐλεηθῶσιν.	
दया-पाएं	
G1653	

> वैसेही अब वे उसकी आज्ञा नहीं मानते क्योंकि परमेश्वर की दया तुम पर है। ताकि अब उन्हें भी परमेश्वर की दया मिले।

32

συνέκλεισεν	γὰρ,	ὁ	Θεὸς	τοὺς	πάντας	εἰς	ἀπείθειαν,	ἵνα	τοὺς	πάντας
बंद-किया	क्योंकि	वह	परमेश्वर-ने	उन	सबों-को	में	अविश्वास	ताकि	उन	सबों-पर
G4788	G1063	G3588	G2316	G3588	G3956	G1519	G0543	G2443	G3588	G3956

ἐλεήσῃ.	
दया-करे	
G1653	

> क्योंकि परमेश्वर ने सब लोगों को अवज्ञा के कारागार में इसलिए डाल रखा है कि वह उन पर दया कर सके।

33 Ὦ, βάθος πλούτου, καὶ σοφίας, καὶ γνώσεως Θεοῦ! ὡς ἀνεξεραύνητα
हाय गहराई धन-की और बुद्धि और ज्ञान परमेश्वर-की कैसे अखोजनीय
G5599 G0899 G4149 G2532 G4678 G2532 G1108 G2316 G5613 G0419

τὰ κρίματα αὐτοῦ, καὶ ἀνεξιχνίαστοι αἱ ὁδοὶ αὐτοῦ!
वे निर्णय उसके और अथाह-रहित वे मार्ग उसके
G3588 G2917 G0846 G2532 G0421 G3588 G3598 G0846

> परमेश्वर की करुणा, बुद्धि और ज्ञान कितने अपरम्पार हैं। उसके न्याय कितने गहन हैं; उसके रास्ते कितने गूढ़ है।

34 Τίς γὰρ ἔγνω νοῦν Κυρίου, ἢ τίς σύμβουλος αὐτοῦ ἐγένετο?
किसने क्योंकि जाना मन प्रभु-का या कौन सलाहकार उसका हुआ
G5101 G1063 G1097 G3563 G2962 G2228 G5101 G4825 G0846 G1096

> शास्त्र कहता है: “प्रभु के मन को कौन जानता है? और उसे सलाह देने वाला कौन हो सकता हैं?”

35 ἢ τίς προέδωκεν αὐτῷ, καὶ ἀνταποδοθήσεται αὐτῷ?
या किसने पहले-दिया उसे और लौटाया-जाएगा उसे
G2228 G5101 G4272 G0846 G2532 G0467 G0846

> “परमेश्वर को किसी ने क्या दिया है? वह किसी को उसके बदले कुछ दे।”

36 ὅτι ἐξ αὐτοῦ, καὶ δι’ αὐτοῦ, καὶ εἰς αὐτὸν, τὰ πάντα. αὐτῷ
क्योंकि से उससे और के-द्वारा उसके और के-लिए उसके सब कुछ उसे
G3754 G1537 G0846 G2532 G1223 G0846 G2532 G1519 G0846 G3588 G3956 G0846

ἡ δόξα εἰς τοὺς αἰῶνας! ἀμήν.
वह महिमा में उन युगों आमीन
G3588 G1391 G1519 G3588 G0165 G0281

> क्योंकि सब का रचने वाला वही है। उसी से सब स्थिर है और वह उसी के लिए है। उसकी सदा महिमा हो! आमीन।